HY/5500

प्रतिदर्श प्रश्नपत्र

अर्धवार्षिक परीक्षा: 2026-27

हिन्दी

समय 3:00 घण्टा **कक्षा-10** **पूर्णांक: 70**

निर्देशः (i) यह प्रश्न पत्र दो खण्डों में विभाजित है। खण्ड-क एवं खण्ड-ख हैं।

(ii) खण्ड-क में 20 अंकों के बहुविकल्पीय प्रश्न हैं।

(iii) खण्ड-ख में 50 अंक के वर्णनात्मक प्रश्न हैं।

(iv) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं, सभी प्रश्नों के निर्धारित अंक उनके सम्मुख दिये गये हैं।

खण्ड-क (बहुविकल्पीय प्रश्न)

1. 'ईदगाह', 'नमक का दरोगा', 'पूस की रात' के कहानीकार हैं— 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) भगवतीचरण वर्मा

(iii) प्रेमचन्द (iv) राम कुमार वर्मा

2. 'गुनाहों का देवता' उपन्यास के लेखक हैं— 1

(i) धर्मवीर भारती (ii) जयशंकर प्रसाद

(iii) अज्ञेय (iv) इलाचन्द्र जोशी

3. 'अजातशत्रु' नाटक के नाटककार कौन हैं? 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) महादेवी वर्मा

(iii) रामकुमार वर्मा (iv) सुमित्रानन्दन पंत

4. 'कलम का सिपाही' की रचना किसने की— 1

(i) वृन्दावनलाल वर्मा (ii) अमृतराय

(iii) प्रेमचन्द (iv) इनमें से कोई नहीं

5. हिन्दी साहित्य में शुक्ल युग की समय सीमा है— 1

(i) 1900 से 1920 ई. (ii) 1918 से 1938 ई.

(iii) 1925 से 1940 ई. (iv) उपर्युक्त में से कोई नहीं

6. साकेत के रचनाकार हैं— 1

(i) जयशंकर प्रसाद (ii) दिनकर

(iii) मैथिलीशरण गुप्त (iv) भगवतीचरण वर्मा

7. छायावाद की मुख्य विशेषतायें हैं— 1

(i) प्रकृति का मानवीकरण (ii) युद्धों का वर्णन

(iii) यथार्थ चित्रण (iv) भक्ति की प्रधानता

8. बिहारी की रचना कौन-सी है? 1

(i) सिद्धराज (ii) रसकलश

(iii) बिहारी-सतसई (iv) बावरा अहेरी

9. 'भारत-भारती' के रचनाकार हैं— 1

(i) अज्ञेय (ii) बिहारी

(iii) भारतेन्दु हरिश्चन्द्र (iv) मैथिलीशरण गुप्त

10. कौन-सी रचना अज्ञेय की नहीं है? 1

(i) बावरा अहेरी (ii) सुनहले शैवाल

(iii) इत्यलम् (iv) रेणुका

11. आहुति-सी गिर चढ़ी चिता पर, उठी ज्वाला सी। में कौन-सा अलंकार है? 1

(i) श्लेष (ii) उत्प्रेक्षा (iii) उपमा (iv) अनुप्रास

12. "उस काल मारे क्रोध के, तन काँपने उनका लगा।
मानो हवा के वेग से, सोता हुआ सागर जगा।"
उपर्युक्त रेखांकित पंक्तियों में कौन-सा अलंकार है? 1

(i) उपमा अलंकार (ii) रूपक अलंकार

(iii) उत्प्रेक्षा अलंकार (iv) श्लेष अलंकार

13. दोहे का उल्टा होता है— 1

(i) सोरठा (ii) रोला (iii) चौपाई (iv) इनमें से कोई नहीं

14. 'अपमान' शब्द में _____ उपसर्ग लगा है। 1

(i) अप (ii) मान (iii) अ (iv) इनमें से कोई नहीं

15. 'सूरज' का तत्सम रूप है— 1

(i) सूर्य (ii) दिनकर (iii) सुरिज (iv) प्रकाश

16. 'संसार' का पर्यायवाची है— 1

(i) दुनिया (ii) विश्व (iii) भूमण्डल (iv) इनमें सभी

17. 'तस्मै' शब्द में विभक्ति एवं वचन है— 1

(i) चतुर्थी विभक्ति, एकवचन (ii) द्वितीया विभक्ति, बहुवचन

(iii) पंचमी विभक्ति, एकवचन (iv) इनमें से कोई नहीं

18. भाववाच्य में प्रधानता होती है— 1

(i) कर्ता की (ii) कर्म की (iii) क्रिया की (iv) इनमें से कोई नहीं

19. पद परिचय की दृष्टि से पद कितने प्रकार के होते हैं? 1

(i) दो (ii) चार (iii) तीन (iv) सात

20. 'भीमार्जुन' में समास है— 1

(i) द्विगु (ii) कर्मधारय (iii) द्वन्द्व (iv) बहुव्रीहि

खण्ड-ख (वर्णनात्मक प्रश्न)

21. निम्नलिखित गद्यांश पर आधारित पूछे गये प्रश्नों के उत्तर दीजिए

कुसंग का ज्वर सबसे भयानक होता है। यह केवल नीति और सद्वृत्ति का ही नाश नहीं करता, बल्कि बुद्धि का भी क्षय करता है। किसी युवा-पुरुष की संगति यदि बुरी होगी तो वह उसके पैरों में बँधी चक्की के समान होगी, जो उसे दिन-दिन अवनति के गड्ढे में गिराती जायगी और यदि अच्छी होगी तो सहारा देने वाली बाहु के समान होगी, जो उसे निरन्तर उन्नति की ओर उठाती जायगी।

(i) गद्यांश का संदर्भ लिखिए। 2

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) कुसंग की तुलना किससे की गयी है? 2

अथवा

रोहतास-दुर्ग के प्रकोष्ठ में बैठी हुई युवती ममता, शोण के तीक्ष्ण गंभीर प्रवाह को देख रही है। ममता विधवा थी। उसका यौवन शोण के समान ही उमड़ रहा था। मन में वेदना, मस्तक में आँधी, आँखों में पानी की बरसात लिये, वह सुख के कंटक-शयन में विकल थी। वह रोहतास-दुर्गपति के मंत्री चूड़ामणि की अकेली दुहिता थी, फिर उसके लिए कुछ अभाव होना असंभव था, परन्तु वह विधवा थी—हिन्दू-विधवा संसार में सबसे तुच्छ निराश्रय प्राणी है—तब उसकी विडम्बना का कहाँ अन्त था?

(i) उपर्युक्त गद्यांश के पाठ का नाम तथा लेखक कानाम भी लिखिए। 2

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) गद्यांश के आधार पर संसार में सबसे तुच्छ निराश्रय प्राणी कौन है? 2

22. निम्नांकित पद्यांश पर आधारित पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए

चरन-कमल बंदौं हरि राइ।
जाकी कृपा पंगु गिरि लंघै, अंधे को सब कछु दरसाइ।
बहिरौ सुनै, गूँग पुनि बोलै, रंक चलै सिर छत्र धराइ।
सूरदास स्वामी करुनामय, बार-बार बंदौं तिहिं पाइ।।

(i) उपर्युक्त पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) रेखांकित अंश में कौन-सा अलंकार है? 2

अथवा

रानी मैं जानी अजानी महा, पबि पाहनहूँ तें कठोर हियो है।
राजहूँ काजु अकाजु न जान्यो कह्यो तिय को जेहिं कान कियो है।।
ऐसी मनोहर मूरति ये, बिछुरे कैसे प्रीतम लोग जियें है?
आँखिन में, सखि! राखिबे जोग, इन्हें किमि कै बनवासु दियो है।।

(i) प्रस्तुत पद्यांश का सन्दर्भ लिखिए। 2

(ii) रेखांकित अंश की व्याख्या कीजिए। 2

(iii) किसका हृदय पत्थर की भाँति कठोर है? 2

23. निम्नलिखित संस्कृत गद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए 5

वाराणसी सुविख्याता प्राचीना नगरी। इयम् विमलसलिलतरङ्गायाः गङ्गायाः कूले स्थिता। अस्याः घट्टानां वलयाकृतिः पंक्तिः धवलायां चन्द्रिकायां बहु राजते। अगणिताः पर्यटकाः सुदूरेभ्यः देशेभ्यः नित्यम् अत्र आयान्ति, अस्याः घट्टानां च शोभां विलोक्य इमां बहु प्रशंसन्ति।

अथवा

"विश्वस्य स्रष्टा ईश्वरः एक एव" इति भारतीय संस्कृतेः मूलम्। विभिन्नमतावलम्बिनः विविधैः नामभिः एकम् एव ईश्वरं भजन्ते। अग्निः, इन्द्रः, कृष्णः, करीमः, रामः, रहीमः, जिनः, बुद्धः, ख्रिस्तः, अल्लाहः इत्यादीनि नामानि एकस्य एव परमात्मनः सन्ति। तम् ईश्वरं जनाः गुरुः इत्यपि मन्यते। अतः सर्वेषां मतानां समभावः सम्मानश्च अस्माकं संस्कृतेः सन्देशः।

24. निम्नलिखित संस्कृत पद्यांशों में से किसी एक का संदर्भ सहित हिन्दी में अनुवाद कीजिए- 5

(i) मरणं मङ्गलं यत्र विभूतिश्च विभूषणम् ।
कौपीनं यत्र कौशेयं सा काशी केन मीयेत ॥

(ii) सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामयाः।
सर्वे भद्राणि पश्यन्तु मा कश्चिद् दुःखभाग् भवेत्।।

25. अपने पठित खण्डकाव्य के आधार पर निम्नलिखित प्रश्नों में से किसी एक का उत्तर दीजिए— $1 \times 3 = 3$

(क) (i) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के द्वितीय सर्ग और तृतीय सर्ग की कथावस्तु अपने शब्दों में लिखिए।
(ii) 'जय सुभाष' खण्डकाव्य के आधार पर सुभाषचन्द्र बोस का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ख) (i) 'तुमुल' खण्डकाव्य का कथानक संक्षेप में लिखिए।
(ii) 'तुमुल' खण्डकाव्य के नायक की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ग) (i) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर षष्ठ सर्ग 'राम-भरत-मिलन' का सारांश लिखिए।

(ii) 'कर्मवीर भरत' खण्डकाव्य के आधार पर कैकेयी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(घ) (i) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य की कथावस्तु संक्षेप में लिखिए।

(ii) 'मुक्तिदूत' खण्डकाव्य के आधार पर गाँधी जी का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ङ) (i) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य के नायक का चरित्रांकन कीजिए।

(ii) 'मेवाड़-मुकुट' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

(च) (i) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य के आधार पर पं० जवाहरलाल नेहरू का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'ज्योति जवाहर' खण्डकाव्य की कथा संक्षेप में लिखिए।

(छ) (i) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के नायक का चरित्र-चित्रण कीजिए।

(ii) 'मातृभूमि के लिए' खण्डकाव्य के तृतीय सर्ग की कथा अपने शब्दों में लिखिए।

(ज) (i) 'कर्ण' खण्डकाव्य के आधार पर कर्ण की चारित्रिक विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

(ii) 'कर्ण' खण्डकाव्य के चतुर्थ सर्ग 'श्रीकृष्ण और कर्ण' का सारांश लिखिए।

(झ) (i) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य की कथा का संक्षेप में वर्णन कीजिए।

(ii) 'अग्रपूजा' खण्डकाव्य के प्रमुख पात्र का चरित्र-चित्रण कीजिए।

26. (i) निम्नलिखित लेखकों में से किसी एक लेखक का जीवन-परिचय और शैली का वर्णन कीजिए- 5

(अ) आचार्य रामचन्द्र शुक्ल (ब) डा. राजेन्द्र प्रसाद (स) जयशंकर प्रसाद

(ii) निम्न कवियों में से किसी एक कवि का जीवन-परिचय दीजिए और उनकी रचनाओं का वर्णन कीजिए- 5

(अ) सूरदास (ब) रामनरेश त्रिपाठी (स) रसखान

27. अपनी पाठ्यपुस्तक से कण्ठस्थ किया हुआ कोई एक श्लोक लिखिए जो इस प्रश्न पत्र में न आया हो। 02

28. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर संस्कृत में दीजिए— 1 + 1 = 2

(i) वाराणसी नगरी कस्याः नद्याः कूले स्थिता?

(ii) वाराणसी कस्याः केन्द्रस्थली अस्ति?

(iii) कस्याः भाषायाः केन्द्रम् अस्ति?

(iv) अस्माकं संस्कृतिः कीदृशी अस्ति?

29. निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर निबंध लिखिए- 1+6=7

(i) स्वच्छ भारत अभियान

(ii) देश-प्रेम

(iii) सड़क सुरक्षा, जीवन रक्षा

(iv) अनुशासन की समस्या।

30. शहर की सफाई हेतु अपने शहर के मुख्य नगर अधिकारी को पत्र लिखिए। 4 × 1 = 4

अथवा आकस्मिक अवकाश हेतु अपने प्रधानाचार्य को एक पत्र लिखिए।